नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. साहित्येतिहास कला ह कि विज्ञान? विवेचन करीं ।
2. साहित्य के इतिहास-दर्शन के भारतीय दृष्टि पर प्रकाश डालीं ।
3. भोजपुरी साहित्य के इतिहास-लेखन के परम्परा पर प्रकाश डालीं आ ओकर उपलब्धि के उल्लेख करीं ।
4. भोजपुरी के आदि कवि के रूप में रउआ केकरा के मान्यता देतानीं? तर्कपूर्ण उत्तर दीहीं ।
5. भारतीय साहित्य, संस्कृति आ समाज पर भक्ति-आन्दोलन के प्रभाव के विवेचन करीं ।
6. सिद्ध-साहित्य में सरहपा के महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
7. नाथ-पंथ के साहित्य में भोजपुरी तत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
8. कबीर के काव्य में प्रतीक-योजना पर विचार करीं ।
9. भोजपुरी संत-काव्य परम्परा में दरियादास के स्थान निर्धारित करीं ।
10. सरभंग सम्प्रदाय के भक्ति भावना के विवेचन करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Bhojpuri, Part–I

Date	Paper	Time	Examination Centre
04.07.2014	Paper–I	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.07.2014	Paper–II	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.07.2014	Paper–III	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
12.07.2014	Paper–IV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.07.2014	Paper–V	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.07.2014	Paper–VI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
18.07.2014	Paper–VII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
22.07.2014	Paper–VIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य का अध्ययन)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. समकालीन अवधी कविता पर एगो निबंध लिखीं ।
2. मैथिली भाषा के उद्‌भव आ विकास पर विचार करीं ।
3. अवधी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन करत ओकर उपलब्धि के रूपरेखा खींची ।
4. मैथिली कहानी के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
5. मगही भाषी क्षेत्र के परिचय दीहीं ।
6. मगही लोक-साहित्य पर एगो निबंध लिखीं ।
7. मगही कहानी के विकास-यात्रा के समीक्षा करीं ।
8. बज्जिका के लोक-साहित्य के सामान्य परिचय दीहीं ।
9. अंगिका ध्वनि आ ओकरा उच्चारण के विशेषता बताईं ।
10. अंगिका के नाट्य साहित्य पर परिचयात्मक निबंध लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-।, पत्र-।।।

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आचार्य भरत के महत्त्व रेखांकित करीं ।
2. काव्य के प्रमुख भेदनि का आलोक में मुक्तक आ महाकाव्य प प्रकाश डालीं ।
3. काव्य के हेतु के सम्बन्ध में विस्तार से विचार करीं ।
4. काव्य के प्रयोजन का सम्बन्ध में आधुनिक मतनि का संदर्भ से विचार करीं ।
5. शब्द-शक्ति केकरा कहल जाला आ केतना तरह का शब्द-शक्ति होली ? विस्तार से बताईं ।
6. अलंकार-सम्प्रदाय के प्रवर्त्तक आचार्य के विषय में विस्तार से बताईं ।
7. 'वक्रोक्ति-सिद्धान्त' के विकास के रेखांकित करत कुंतक के बाद के वक्रोक्ति-रूप प प्रकाश डालीं ।
8. भट्टनायक के रस-सिद्धान्त के मौलिकता पर प्रकाश डालीं ।
9. हिन्दी आचार्यनि के साधारणीकरण परक विचार उल्लिखित करीं ।
10. नीचा लिखल छंदनि का लक्षण आ उदाहरण बताईं: चौपाई, सोरठा, मालिनी, घनाक्षरी आ मन्दाक्राता ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी आलोचना साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आलोचना के परिभाषा आ स्वरूप पर विचार करीं अउर ओकरा कार्य आ उद्देश्य के बारे में बताईं ।

2. भोजपुरी के व्यावहारिक आलोचना के इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डालीं ।

3. डॉ0 उदय नारायण तिवारी के भोजपुरी आलोचना सम्बन्धी योगदान के चर्चा करीं ।

4. भोजपुरी आलोचना के क्षेत्र में आचार्य विश्वनाथ सिंह के योगदान के चर्चा करीं ।

5. "श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह समाजशास्त्रीय समीक्षक बानी" उनका समीक्षा कार्य के बारे में जानकारी देत, एह कथन के प्रमाणित करीं ।

6. डॉ0 तैयब हुसैन "पीड़ित" के जीवन आ साहित्य के परिचय देत भोजपुरी के समीक्षा साहित्य में योगदान के जानकारी दीं ।

7. डॉ0 गदाधर सिंह के भोजपुरी साहित्य में समीक्षात्मक योगदान के चर्चा करीं ।

8. "प्रो0 हरि किशोर पाण्डेय जी एगो प्रभाववादी समीक्षक बानीं" - एह कथन के पुष्टि करीं।

9. महेश्वराचार्य जी के भिखारी साहित्य पर कइल गइल समीक्षा कार्य के विवरण देत उनकर समीक्षा के विशेषता के रेखांकित करीं ।

10. डॉ0 विवेकी राय के आलोचनात्मक कार्य के आधार पर बताईं कि डॉ0 राय व्यावहारिक आलोचक के साथ-साथ सैद्धांतिक आलोचक भी हईं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-V

(प्रयोजन मूलक भोजपुरी)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. प्रयोजनमूलक भासा आ साहित्यिक भासा में अन्तर बताईं ।

2. नीचे दीहल पदन भा शब्दन पर टिप्पणी लिखीं :
छायानुवाद, रूपान्तरन, भाषान्तरन, दुभाषिया ।

3. निम्नलिखित अंगरेजी भाषा के शब्दन के भोजपुरी पर्याय लिखीं :-

Attendant,	Audit,	Accountant,	Agent,	Beam,
Client,	Copyist,	Damage,	Demotion,	Dismissal,
Garden,	Petition,	Treasury,	Witness	Workshop,
Security.				

4. प्रयोजनमूलक भासा के विकास में पारिभाषिक शब्दाबली के योगदान पर विचार करीं ।

5. “पल्लवन” के का अर्थ बा? “व्याख्या”, “भावार्थ” आ “पल्लवन” में का फरक ह ऽ।

6. अनुमंडल कार्यालय में कार्यरत सहायक के हैसियत से एगो अइसन टिप्पणी लिखीं जेह में अनुमंडल में बिगड़त कानूनी व्यवस्था पर कारगर कार्रवाई करे खातिर जिला के पुलिस अधीक्षक से अनुरोध करे के प्रस्ताव दीहल गइल होखे।

7. इम्तिहान सम्बन्धी जानकारी खातिर अपना दोस्त के चिट्ठी लिखीं ।

8. रउआ जमीन बंधक रखके दस हजार रूपया कर्जा ले रहल बानीं । एह बंधक पत्र के प्रारूप तैयार करीं।

9. समाचार लेखन में कवन-कवन बातन पर विशेष रूप से धियान देबे के चाही?

10. वर्गीकृत विज्ञापन आ सजावटी विज्ञापन के अन्तर उदाहरण के साथ बताईं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VI

(भोजपुरी लोक साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. 'लोक साहित्य आ शिष्ट साहित्य में जनक-जनित भाव बा' एह कथन के स्पष्ट करीं ।
2. लोक साहित्य के महत्व बतावत एकरा में व्यक्त लोक जीवन पर प्रकाश डालीं ।
3. लोक गीत के बारे में का जानतानीं ? एकर विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
4. बेटी के बिदाई से सम्बंधित कवनो संस्कार गीत के महत्व सोदाहरण प्रस्तुत करीं ।
5. झूमर गीतन के विशेषता के विवेचन सोदाहरण करीं ।
6. लोकगाथा के वर्गीकरण पर निबंध लिखीं ।
7. कथा साहित्य में लोक कथा के स्थान निरूपित करीं ।
8. लोक नाटक के प्रकार आ विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
9. संस्कृति आ सभ्यता के साथे-साथे लोक संस्कृति के विवेचना करीं ।
10. भोजपुरी लोक गीतन के रूढ़ियन के विवेचन करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भोजपुरी कहानी)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कहानी के जवन नया परिभाषा सभ आइल बा, ओह आधार पर आधुनिक कहानी के विशेषता के वर्णन करीं ।

2. भोजपुरी कहानी का विरासत में जवन परम्परा मिलल बा ओकरा प प्रकाश डालीं ।

3. कहानी कला के दृष्टि से 'भैरवी के साज' पर विचार करीं ।

4. 'मछरी' कहानी के नायिका कुन्ती के चरित्र चित्रण करीं ।

5. 'अपना घर के आदमी' के मुख्य समस्या के प्रस्तुत करत ओकरा औचित्य पर प्रकाश डालीं ।

6. 'एगो आउर अभिमन्यु' के कथानक के आलोचनात्मक परिचय दीं ।

7. 'बकसऽ ए बिलार' के नायक के चरित्र चित्रण करीं ।

8. 'मूल-बिलाई के खेल' के कथावस्तु पर आपन आलोचनात्मक टिप्पणी प्रस्तुत करीं ।

9. 'अपराधी' कहानी मार्क्सवादी आ फ्रायडवादी अवधारणा के बारीक बुनावट प्रस्तुत करत बा' एह कथन के विवेचना करीं ।

10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-
    (क) दुलहिन अस सजावल-सँवारल कार के देखि के परमेसर के अइसन लागल, जइसे ऊ सेठ करोड़ीमल के अरथी ना होखे, उनुकरा बियाह के बरियात होखे ।
    (ख) 'एगो चिनगारी जागल रहे । ऊ सुत गइल । जयद्रथ के गोली अभिमन्यु के त मार देलस, बाकी व्यवस्था के रक्षक पुलिस अर्जुन लेखा कवनों जयद्रथ-बध के प्रण ना ठनलस ।''

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबन्ध)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भोजपुरी के विकास में कवन-कवन विद्वान के योगदान बा ।ओह सभन के नाम लिखत कवनो एगो विद्वान के योगदान प प्रकाश डालीं ।

2. 'कजली बनारस क' पाठ के सारांश लिखीं ।

3. 'पनही' निबंध में प्रोफेसर जितराम पाठक जी पनही आ मेहरारू में का समानता आ असमान्ता बतलावत बानी ? अपना शब्दन में लिखीं ।

4. डॉ० विवेकी राय लिखित 'खटिया' पाठ के मुताबिक खटिया के गुन-दोष बतलाईं ।

5. 'जवानी' के दार्शनिक पक्ष भा संदर्भ का बा ? विस्तार से लिखीं ।

6. 'पुल कमजोर बा' के सामाजिक पक्ष भा संदर्भ पर विचार करीं ।

7. पुरी के खसियत का बा ? ओह स्थान के धार्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।

8. 'सम कालीनता' निबंध के आधार पर समकालीन साहित्य के विशेषता अपना शब्दन में लिखीं ।

9. डॉ० विवेकी राय के साहित्यिक परिचय लिखीं ।

10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-
    (क) जवना के 'सभ्यता' कहल जाला ऊ अइसन नकाब ह जवना का पीछे आदमी के असली रूप लुका जाला । एह हालत में आदमी का बीच के दूरी जवना रफ्तार से बढ़ रहल बा अगर ई कम ना भइल त कुछुए दिन में भयंकर विस्फोट हों सकेला ।
    (ख) कहेला लोग कि आदमी के भाग भगवान नइखन लिखले । आदमी आपन भाग अपने बना ले ला ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–IX

(आधुनिक भोजपुरी साहित्य के इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता के काल विभाजन आ नामकरण के का आधार बा ? एकर व्यापक समीक्षा उदाहरण सहित प्रस्तुत करीं ।
2. आधुनिक भोजपुरी कविता में गज़ल अथवा दोहा विधा के परम्परा आ विषय–वस्तु के उद्धरण सहित विवेचन करीं ।
3. भोजपुरी कहानी साहित्य के परम्परा पर व्यापक प्रकाश डालीं ।
4. उमाकान्त वर्मा के कहानी–कला के विवेचन करीं ।
5. भोजपुरी के प्रमुख उपन्यासकार के परिचय दीं ।
6. योगेन्द्र प्रसाद सिंह के उपन्यास 'फुलमतिया' के मूल्यांकन करीं ।
7. भोजपुरी निबन्ध के उद्‌भव आ विकास पर एगो निबन्ध लिखीं ।
8. 'बिरजु के बिआह' नाटक के परिचय दीं आउर नाटक परम्परा में एकर स्थान बताईं ।
9. भोजपुरी आलोचना साहित्य के विकास प एगो लमहर निबन्ध लिखीं ।
10. टिप्पणी लिखीं :–
    (क) भोजपुरी में पुस्तक समीक्षा
    (ख) भोजपुरी काव्य में प्रकृति

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Bhojpuri, Part–II

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
13.08.2014	Paper–IX	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
19.08.2014	Paper–X	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
21.08.2014	Paper–XI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
23.08.2014	Paper–XII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
25.08.2014	Paper–XIII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
27.08.2014	Paper–XIV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
29.08.2014	Paper–XV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
02.09.2014	Paper–XVI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–X

(भाषा विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

प्रत्येक खण्ड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनाव करत कुल पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड–क

1. भाषा के वैज्ञानिक परिभाषा लिखीं आ ओकर विश्लेषण करीं ।
2. भाषा के उत्पत्ति से सम्बन्धित विभिन्न सिद्धांत के समीक्षा करीं ।
3. ध्वनि परिवर्तन से का तात्पर्य बा ? ध्वनि परिवर्तन के कारण सोदाहरण लिखीं ।
4. वाक्य प्रकारन पर प्रकाश डालीं ।
5. अर्थ परिवर्तन के कवन–कवन कारण मानल गइले बाड़े ? उदाहरण के साथ उत्तर दीहीं ।

खण्ड–ख

6. आधुनिक भारतीय आर्य भाषा के वर्गीकरण करीं आ ओकर भेद–उपभेद बताई ।
7. "बिहारी भाषा" से रउआ का समझत हई । एकर नाम "बिहारी भाषा" काहे पड़ल?
8. भोजपुरी नामकरन के इतिहास पर प्रकाश डालीं ।
9. देवनागरी लिपि के वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालीं ।
10. भोजपुरी के शब्द सम्पदा के महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य विधा)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "सुरतिया न बिसरे" रेखाचित्र समाज में मानव के आस–पास घटे वाली घटना के ऊपर लिखल गइल बा । पठित रेखाचित्र के आधार पर एह कथन के सत्यता के परीक्षण करी ।
2. पठित रेखाचित्र के कौनो दो पात्र के चरित्र चित्रण के विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
3. श्री रसिक बिहारी ओझा "निर्भीक" के परिचय अपना शब्दन में दीहीं ।
4. साहित्य विधा के रूप में संस्मरण आ जीवनी के बीच भेद के रेखांकित करीं ।
5. "सुरता के पथार" संस्मरण के मुख्य भाव अपना शब्दन में लिखीं ।
6. सैली आ सिल्प के खियाल से यात्रा–वर्णन के विभिन्न रूपन के परिचय दीहीं ।
7. "आरा के कोइलवर" आ "ईह राँची" के विषय–वस्तु के परिचय दीहीं ।
8. आचार्य महेन्द्र नाथ शास्त्री के राजनीतिक विचार के परिचय दीहीं ।
9. रिपोर्ताज के स्वरूप पर प्रकाश डालीं ।
10. शाहबादी जी के रचना "ऐनक" में प्रकृति वर्णन के स्पष्ट परिचय दीहीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XII

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. पाश्चात्य काव्य–शास्त्र के विकास प एगो निबंध लिखीं ।
2. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत के समीक्षा करीं आ एह प विद्वाननि के आपत्ति के रेखांकित करीं।
3. "परम्परा बोध" ना त रूढ़ि के पालन ह आ ना वैयक्तिक प्रज्ञा के विरोधी – इलियट के एह कथन के तर्कपूर्ण विवेचन करीं ।
4. आई0 ए0 रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धांत के विवेचन करीं ।
5. सम्प्रेषण के भाषिक तंत्र प विचार करीं ।
6. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद प विचार करीं ।
7. "कला" शब्द के व्याख्या करत कला आ सौन्दर्य के सम्बन्ध प विचार करीं ।
8. कला के वर्गीकरण प आपन अभिमत व्यक्त करीं ।
9. "काव्य रचना में बिम्बनि के उपयोगिता असंदिग्ध बाटे" – एह कथन के मीमांसा करीं।
10. शैली विज्ञान के अवधारणा के स्पष्ट करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(भोजपुरी प्रबंध काव्य एवं मुक्तक काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनके कुल पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड 'क'

1. प्रबन्ध काव्य के अवधारणा पर विचार करत, ओकर भेदन के संक्षेप में परिचय दीं ।
2. भोजपुरी प्रबंध काव्यन में पौराणिक कथा से सम्बन्धित प्रबंध काव्यन के वस्तु पर विचार करीं आ एह में बताई कि कइसे कुछ नया सोच भोजपुरी कवि लोग एह में पैदा कइले बाटे ।
3. "कालजयी कुँवर सिंह" के वस्तु शिल्प के परिचय दीं आ प्रमाणित करीं कि भारतीय काव्यशास्त्रीय आ पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय निकष पर ई महाकाव्य के रूप में खरा उतरत बा ।
4. वस्तुशिल्प पर विचार करत विश्वामित्र के रस विधान के बारे में बतलाई ।
5. 'बुद्धायन' महाकाव्य में नायक आ अतिविशिष्ट पात्र बुद्ध बाड़न । एह कथन पर विस्तार से विचार करी ।

खण्ड 'ख'

6. कबीर दास एगो अध्यात्मिक संत रही, उदाहरण के साथ स्पष्ट करी ।
7. "आगि लागे बनवाँ जरे परबतबा" पद के भावार्थ अपना भाषा में लिखीं ।
8. "फिरंगिया" कविता के विशेषता बतलाई ।
9. "आँधी कविता पौरूष के कविता बा" – पाठ के आधार पर साबित करी ।
10. "कल्पतरू धीरे–धीरे जाने कब सूख गइल" कविता के भावपक्ष पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. उपन्यास के वर्गीकरण के विभिन्न दृष्टियन पर विचार करीं ।
2. उपन्यास के कथानक के निर्माण के प्रक्रिया पर प्रकाश डालीं ।
3. भोजपुरी उपन्यास का विकास के एगो संक्षिप्त परिचय दीहीं ।
4. "फुलसुंघी" सामन्ती प्रेम कथा ह । एह कथन के समीक्षा करी ।
5. "फुलसुंघी" के नायक के हो सकत बा? तर्क के साथ विवेचन करीं ।
6. "इमरीतिया काकी" समकालीन समस्या से जुड़ल उपन्यास बा । एह कथन के स्प्ष्ट करीं ।
7. "ग्रामदेवता" के उपन्यासकार के व्यक्तित्त्व आ कृतित्त्व पर प्रकाश डाली ।
8. "भाषा संरचना का दिसाई ग्राम देवता एगो सपाट उपन्यास बा" – विवेचन करी ।
9. सोनमती भऊजी के चरित्र–चित्रण करीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं –

    (क) हारला आ सहला में बड़ा अन्तर होला । हारल जाला आन के ताकत बढ़ावे खातिर आ सहल जाला आपन ताकत बढ़ावे खातिर ।

    (ख) "सरजू में एगो अउर लहर उठल आ लाल कोठी के दखिनवारी हिस्सा के संगे चम्पा के गाछ उखड़ के बह गइल । ओह चम्पा पर चहकत फुलसुंघी हड़बड़ा के उड़ गइल।।"

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XV

(भोजपुरी नाटक)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. नाटक के परिभाषा का आधार प जवन अवधारणा बनत बा, ओकर परिचय दीहीं ।
2. नाटक में गीत–नृत्य के महत्त्व प प्रकाश डालीं ।
3. भोजपुरी नाटक के सन् 1947 ई0 1974 ई0 के विकास के संक्षिप्त परिचय दी ।
4. लोककलाकार भिखारी ठाकुर के जीवनी लिखीं ।
5. "बिदेसिया" एगो बहू उद्देशीय रचना बा । प्रमाणित करी ।
6. "बिदेसिया" के नायक बिदेसी का चरित्र–चित्रण करीं ।
7. "केहू ना हमार" नाटक के नामकरण पर विचार करीं ।
8. गंगादेयाल के चरित्र की विशेषता बताई ।
9. "हाथी के दाँत" नाटक के उद्देश्य प प्रकाश डाली ।
10. टिप्पणी लिखी :–
    (क) बिदेसिया में भक्ति प्रसंग
    (ख) रामेश्वर सिंह "कश्यप"

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट–II, पत्र–XVI

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. संस्कृत के महाकाव्यन के परिचय दीहीं ।
2. संस्कृत के नाट्य साहित्य के परिचय दीहीं ।
3. मलयालम के कहानियन के इतिहास लिखीं ।
4. वीर शैवयुग के काव्य का परिचय दीहीं ।
5. गुजराती साहित्य के ज्ञानमार्गी कविताधारा के परिचय दीं ।
6. रवीन्द्र युग के मूल्यांकन करी ।
7. उर्दू के कहानी साहित्य के परिचय दीं ।
8. तमिलसाहित्य के काल विभाजन के परिचय दीं ।
9. तुलसीदास के व्यक्तित्व आ कर्तृत्व पर आपन विचार दीं ।
10. खड़ी बोली गद्य के विकास पर विचार करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ